

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन



मध्यप्रदेश शासन



2017-2018

जनसम्पर्क विभाग

www.mpinfo.org / www.mpnewsarch.org,
www.dprftp.com & District News Portal - www.dprmp.org



जनसंपर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, प्रमुख सचिव, जनसम्पर्क श्री एस.के. मिश्र एवं आयुक्त, जनसम्पर्क श्री पी.नरहरि के साथ विभागीय गतिविधियों पर चर्चा करते हुए।



मध्यप्रदेश शासन

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन 2017-18

मध्यप्रदेश शासन
जनसम्पर्क विभाग

जनसम्पर्क विभाग

विभागीय मंत्री
डॉ. नरोत्तम मिश्र

प्रमुख सचिव
एस.के. मिश्र

आयुक्त
पी. नरहरि

अपर सचिव
डॉ. एच.एल. चौधरी

भाग - 1

विभागीय संरचना

कार्यालय

संचालनालय मुख्यालय	01	भोपाल
संभागीय कार्यालय	07	इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, सागर, रीवा
जिला कार्यालय	44	
राज्य के बाहर स्थापित कार्यालय	02	1. म.प्र. सूचना केन्द्र नई दिल्ली 2. म.प्र. सूचना केन्द्र मुम्बई
विभाग के अन्तर्गत कार्यरत उपक्रम/संस्था	02	1. मध्यप्रदेश माध्यम 2. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

स्वीकृत पद

प्रथम श्रेणी	-	53
द्वितीय श्रेणी	-	78
तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक)	-	248 (20 सांख्येत्तर पदों सहित)
तृतीय श्रेणी (लिपिकीय)	-	232
चतुर्थ श्रेणी	-	251
कुल	-	862

विभागीय दायित्व

जनसम्पर्क विभाग का मुख्य दायित्व सरकार की नीतियों, निर्णयों, योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी प्रचार-प्रसार माध्यमों से लोगों तक पहुँचाना और जन-मानस में शासन की उज्ज्वल छवि प्रस्तुत करना है। विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :-

समाचार प्रभाग

समाचार शाखा द्वारा शासन की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों/योजनाओं/नीतियों और उनकी उपलब्धियों के समाचार, विशेष लेख, सफलता की कहानियाँ, फोटो कव्हेरेज, वीडियो कव्हेरेज आदि करवाए जाते हैं। इन्हें समाचार-पत्रों को प्रकाशन तथा दूरदर्शन तथा अन्य निजी चैनलों को प्रसारण के लिये प्रतिदिन भेजा जाता है। साथ ही मंत्रि-परिषद् के सदस्यों के प्रवक्ता के रूप में उनसे संबद्ध जनसम्पर्क अधिकारी उनका मीडिया संबंधी काम करते हैं।

वर्ष 2017 में दिसम्बर माह तक हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू में कुल 16 हजार 688 समाचार जारी किये गये। साथ ही 42 विशेष लेख/संदर्भ हिन्दी में विभिन्न समाचार-पत्र/पत्रिका को प्रकाशन के लिये जारी किये गये।

समाचार, विशेष लेख, संदर्भ और सफलता की कहानियाँ उर्दू और संस्कृत भाषा में अनुवाद कराकर वेबसाइट पर अपलोड की गईं। उर्दू समाचार, लेख आदि उर्दूभाषी समाचार-पत्रों को वितरित किये गये।

इसी प्रकार संभागीय/जिला जनसंपर्क कार्यालयों द्वारा इस अवधि में लगभग 69 हजार समाचार स्थानीय समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये भेजे गये।

मा. मुख्यमंत्री, राज्य मंत्रि-परिषद् के सदस्यों, अन्य विभाग प्रमुखों के लिये प्रेस ब्रीफिंग और पत्रकार-वार्ताओं का आयोजन भी आलोच्य अवधि में समय-समय पर किया गया।

आलोच्य अवधि में “नमामि देवि नर्मदे” – सेवा यात्रा के शुभारंभ, यात्रा की 148 दिनी अवधि और 15 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमरकंटक में यात्रा के समापन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। यात्रा पर केन्द्रित समग्र विशेष आलेख तैयार कर प्रकाशित करवाये गये। ‘स्कूल चलें हम अभियान’, ‘मिल बाँचें कार्यक्रम’, भोपाल में 9 राज्यों के पंचायत-राज मंत्रियों के सम्मेलन, 2 जुलाई को नर्मदा कछार में एक दिवस में साढ़े छह करोड़ से ज्यादा पौध-रोपण के महत्वाकांक्षी आयोजन, राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के अमरकंटक में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, भोपाल में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं स्व-रोजगार सम्मेलन के शुभारंभ, भोपाल में ‘मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना’ के शुभारंभ, स्वास्थ्य विभाग के सघन मिशन इन्द्रधनुष और दस्तक अभियान, पल्स पोलियो अभियान के सभी चरण, महिला-बाल विकास के लालिमा अभियान, जीएसटी कर प्रणाली के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, नर्मदा सेवा मिशन के दायित्वों, आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन से नई पीढ़ी को अवगत कराने और भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धार में उनके अवदान के स्मरण के लिये निकाली गई एकात्म यात्रा, भावांतर भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना में प्याज की खरीदी,

उद्यानिकी क्षेत्र विस्तार, भण्डारण क्षमता में वृद्धि, गोकुल महोत्सव, बिजली क्षेत्र में आत्म-निर्भरता, प्रधानमंत्री की फ्लेगशिप योजनाओं, मुख्यमंत्री स्थाई कृषि पम्प योजना, सोलर पम्प योजना, नर्मदा जल को मालवा क्षेत्र में पहुँचाने, सिंचाई क्षमता में वृद्धि, कृषि के क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति, किसानों को क्रेडिट कार्ड और मृदा स्वास्थ्य पत्र का वितरण, मुख्यमंत्री कौशल विकास और कौशल्य योजना, सड़कों का निर्माण, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना में प्रदेश की उपलब्धि, स्वच्छ भारत मिशन में प्रदेश की उपलब्धियों, स्मार्ट सिटी परियोजना, नगरों में बुनियादी सुविधाओं के विकास, मुख्यमंत्री की फ्लेगशिप योजनाओं, कुपोषण मुक्ति के अभियानों/कार्यक्रमों, चिकित्सा शिक्षा सुविधाओं के विस्तार, रविदास और डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाकुंभ, महिला सशक्तिकरण के प्रयासों, नई शैक्षणिक संस्कृति की स्थापना, इन्वेस्टमेन्ट ड्राइव, आईटीआई चले अभियान, श्रम कानूनों के सरलीकरण, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, राजस्व प्रकरणों के निराकरण के अभियान, चरण पादुका योजना, नई रेत खनन नीति, पीओएस मशीनों से राशन का वितरण, राशन की द्वार प्रदाय योजना, खाद्यान्नों का एमएसपी पर उपार्जन, नयी परिवहन नीति, आनंद विभाग की गतिविधियों, खेल और पर्यटन क्षेत्र की उपलब्धियों, संस्कृति नीति, मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन, माँ तुझे प्रणाम योजनाओं, ई-ऑफिस, सुशासन में आईटी के प्रयोग, विभिन्न छात्रवृत्तियों का ऑनलाइन पेमेंट, कैशलेस ट्रांजेक्शन, शासकीय नियम/प्रक्रियाओं का सरलीकरण, लोक सेवा गारंटी कानून, डायल-100 और पुलिस आधुनिकीकरण योजना और दण्ड विधि मध्यप्रदेश (संशोधन) विधेयक-2017 में 12 वर्ष तक की बालिकाओं से बलात्संग एवं सामूहिक बलात्संग के अपराध के लिये मृत्यु-दण्ड के प्रावधान आदि का समाचार, आलेख, सफलता की कहानियों से व्यापक प्रचार-प्रसार इस अवधि में किया गया।

इसी अवधि में वर्ष 2017 के बजट सत्र के लिये राज्यपाल का अभिभाषण, 15 अगस्त के लिये मुख्यमंत्री का संदेश, 26 जनवरी 2018 के लिये राज्यपाल और मुख्यमंत्री का संदेश शाखा द्वारा तैयार किया गया। साथ ही विभागीय वेबसाइट की जानकारी को शाखा द्वारा समय-समय पर अद्यतन किया गया। स्वाधीनता दिवस, स्थापना दिवस और गणतंत्र दिवस-2018 के कव्हेरेज, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के कार्यक्रमों के लिये समाचार-पत्र प्रतिनिधियों/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रवेश-पत्रों का वितरण किया गया। सभी शासकीय आयोजनों के आमंत्रण-पत्र शाखा द्वारा मीडिया को वितरित किये गये।

समाचार में वेल्यू एडिशन के चलते राज्य सरकार और नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित किये जाने का सिलसिला प्रारंभ हुआ है। इससे राष्ट्रीय स्तर तक की मीडिया में राज्य सरकार के क्रिया-कलापों को प्रमुखता मिलने लगी है। विशेष अवसरों पर समाचार-पत्रों में विशेष लेखों का प्रकाशन करवाया गया।

समाचार में विविधता और नयापन लाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस क्रम में प्राचीन धार्मिक एवं पुरातात्विक महत्व के पर्यटन स्थलों की जानकारी, साम्प्रदायिक सद्भाव, आसपास की घटनाओं, खेलों तथा योजनाओं पर आधारित समाचारों के अलावा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की सफलता पर आधारित समाचार भी प्रतिदिन ज्यादा संख्या में जारी किये जा रहे हैं।

वर्ष 2017 के दौरान क्रमशः 09-अटेर, 089-बांधवगढ़ और 61-चित्रकूट विधानसभा तथा शहडोल संसदीय क्षेत्र के उप निर्वाचन के संबंध में सीईओ ऑफिस में पत्रकार वार्ताएँ और प्रेस ब्रीफिंग के आयोजन के साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी समाचार जारी किये गये। उप निर्वाचन के मतदान एवं मतगणना हेतु मीडिया कर्मियों को प्राधिकार पत्र जारी किये गये।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा करवाये गये जनवरी से दिसम्बर 2017 तक 71 नगरीय निकायों तथा विभिन्न पंचायतों के आम/उप निर्वाचन के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री आर. परशुराम के निर्देशन में प्रेस कान्फ्रेंस करवाने के साथ ही समय-समय पर निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी समाचार जारी किये गये।

संचार प्रभाग

प्रतिवेदित अवधि में विभाग की संचार प्रणाली को विभागीय आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ किया गया। प्रचार-प्रसार तथा समाचारों/सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान में सुविधा की दृष्टि से 20 कम्प्यूटर, 07 लैपटॉप और 12 कलर/ब्लैक एवं व्हाइट लेजर/आल-इन-वन प्रिन्टरों को बदला गया।

इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों पर राष्ट्रीय/प्रादेशिक और स्थानीय स्तर के प्रसारित बुलेटिनों के दृष्टिगत विभिन्न घटनाक्रमों/गतिविधियों संबंधी न्यूज की सतत मॉनीटरिंग और रिकॉर्डिंग के लिये मुख्यालय में स्थापित मॉनीटरिंग सेल में 20 राष्ट्रीय/क्षेत्रीय चैनलों की न्यूज बुलेटिनों और प्रदेश पर केन्द्रित विशेष कार्यक्रमों की मानिटरिंग की गई। दिन-भर की खबरों का प्रतिवेदन माननीय मुख्यमंत्री जी और विभिन्न स्तरों पर भेजा गया।

अटेर (भिण्ड) एवं चित्रकूट (सतना) विधानसभा उप निर्वाचन के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एम.सी.एम.सी. कमेटी गठित कर न्यूज चैनलों की सतत मॉनीटरिंग/रिकॉर्डिंग कर विभिन्न स्तरों पर जानकारी भेजी गई।

वेबसाइट

विभाग की मुख्य वेबसाइट www.mpinfo.org को नवीनतम टेक्नालॉजी के अनुरूप नया स्वरूप दिया जाकर मोबाइल, टेबलेट और अन्य डिवाइस आधारित बनाया गया। इस साइट पर हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत सहित चार भाषाओं में समाचार/लेख आदि उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन जारी किये जाने वाले समाचार, जन-कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित लेख, सफलता की कहानी, माननीय मुख्यमंत्री जी के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के विजुअल्स, मंत्रि-परिषद् के निर्णय, मध्यप्रदेश रोजगार निर्माण, शासकीय विभागों की नीतियाँ, फ्लेगशिप योजनाएँ, शासकीय विभागों के महत्वपूर्ण अभियान, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, कृषि महोत्सव, पुरस्कार, सम्मान और सराहना, विशेष अभियान, कला एवं संस्कृति, विकास गतिविधियाँ, पर्यटन और धार्मिक स्थलों की जानकारी, विभागीय वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, विज्ञापन, अधिमान्यता, पत्रकार दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा, पत्रकार पुरस्कार योजना, मीडिया प्रतिनिधि कल्याण सहायता संबंधी नियम, अचल सम्पत्ति के विवरण, नवीन सूचनाएँ, लोक सूचना एवं अपीलिय अधिकारी, विज्ञापनों के रिलीज ऑर्डर और सम-सामयिक संदर्भ के साथ ही मंत्रि-परिषद्, प्रशासनिक अधिकारियों की सूची तथा विभिन्न विभागों के ई-मेल पते उपलब्ध हैं।

इस साइट पर सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्वीटर एवं यूट्यूब) विभागीय गतिविधियाँ भी प्रदर्शित हैं। अब यह साइट पहले से बेहतर और यूजर फ्रेंडली हो गई। इस साइट पर प्रतिवेदित अवधि में 17 करोड़ 97 लाख 56 हजार 488 हिट्स प्राप्त हुए। साइट को मोबाइल के माध्यम से भी 91 लाख 72 हजार 765 हिट्स प्राप्त हुए।

जिलों के समाचारों के लिये डिस्ट्रिक्ट न्यूज पोर्टल www.dprmp.org कार्यरत है। पोर्टल पर जनवरी, 2017 से दिसम्बर, 2017 की अवधि में 89,608 समाचार अपलोड किये गये। इस पोर्टल को प्रतिवेदित अवधि में 6 करोड़ 69 लाख 19 हजार 736 हिट्स प्राप्त हुए। राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं की क्लीपिंग देखने के लिये कार्यरत विभागीय वेबसाइट www.mpnewsarcho.org को भी आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जाकर यूजर्स फ्रेंडली बनाया गया। इस साइट को भी 20 लाख 34 हजार 403 हिट्स मिले।

फोटो फिल्म प्रभाग

प्रभाग द्वारा राज्यपाल, मुख्यमंत्री, समस्त मंत्रीगण के अतिरिक्त अन्य सभी शासकीय कार्यक्रमों/आयोजनों/बैठकों के वीडियो/फोटो कव्हेरेज तथा आवश्यकतानुसार छायाचित्रों के एलबम तैयार करवाये जाते हैं।

विभाग द्वारा राज्यपाल, मुख्यमंत्री, समस्त मंत्रीगण एवं सभी शासकीय कार्यक्रमों/आयोजनों के वीडियो कव्हेरेज करवाकर प्रतिदिन दूरदर्शन एवं अन्य स्थानीय टी.व्ही. चैनल को प्रसारण के लिये विभागीय वेबसाइट और यू-ट्यूब पर अपलोड किये जाते हैं। इस दौरान 1754 वीडियो कव्हेरेज प्रसारण के लिये भेजे गये।

प्रतिवेदित अवधि में शासकीय कार्यक्रमों के फोटो कव्हेरेज के छाया-चित्र वेबसाइट और यू-ट्यूब पर अपलोड किये गये। संभागीय एवं जिला कार्यालयों के भी छायाचित्रों को विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिए भेजा गया। इस अवधि में मुख्यालय द्वारा 1892 फोटो कव्हेरेज करवाये गये।

मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं, जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं सफलता की कहानियों के आधार पर एक-एक मिनट के 56 न्यूज कैप्सूल्स का निर्माण करवाकर इलेक्ट्रानिक चैनलों पर प्रसारण करवाया गया।

फिल्म निर्माण प्रभाग

फिल्म निर्माण प्रभाग द्वारा प्रतिवेदित अवधि में मध्यप्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, निर्णयों, पुरातात्विक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक महत्व के विषयों पर केन्द्रित वीडियो स्पॉट निर्मित करवाये गये।

प्रतिवेदित अवधि में राज्य शासन की जन हितैषी ऐतिहासिक योजना भावान्तर भुगतान योजना, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नर्मदा के तट पर पर्यटन के बढ़ते अवसर, महिला सुरक्षा, रोड सेफ्टी, निःशुल्क पेथालॉजी जाँच योजना, एशिया का पहला चन्देरी हेण्डलूम पार्क, अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा, मुख्यमंत्री जी के 'दिल से' कार्यक्रम, महिला बैंक, मुख्यमंत्री वन क्लिक पेंशन योजना, नर्मदा विस्थापितों को मिली सुविधाएँ, श्वेत क्रांति म.प्र. में दुग्ध उत्पादन बढ़ा, मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल योजना, म.प्र. में रोजाना बढ़ रहा सिंचाई का रकबा, लाड़ली-लक्ष्मी योजना, प्रदेश में हर्बल पार्क, लोक सेवा गारंटी, डेयरी विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, हनुवंतिया-पर्यटन व रोजगार, समृद्धि की ओर बढ़ती ग्रामीण

महिलाएँ, ग्रामोदय से मध्यप्रदेश उदय, आधुनिक हुई म.प्र. पुलिस, नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ता म.प्र., रुक जाना नहीं योजना, मध्यप्रदेश में स्व-रोजगार के बढ़ते अवसर, सरदार वल्लभ भाई निःशुल्क औषधि वितरण योजना, शालाओं को जीआईएस मैपिंग योजना से जोड़ना, आधुनिक कृषि यंत्रों के लिए आदिवासी किसानों को अनुदान, शासकीय एप, आदि 152 महत्वपूर्ण विषयों पर वीडियो स्पॉट का निर्माण करवाया गया है। उपरोक्त वीडियो स्पॉट का दूरदर्शन के साथ प्रादेशिक और स्थानीय समाचार चैनलों, सोशल मीडिया, सिने/मल्टी-प्लेक्स के अलावा विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों के दौरान लगातार प्रसारण करवाया जा रहा है।

संदर्भ प्रभाग

संचालनालय के संदर्भ प्रभाग में विभिन्न विषयों की पुस्तकें संकलित हैं। ये पुस्तकें समय-समय पर अधिकारियों के ज्ञानवर्धन, पठन-पाठन तथा संदर्भ के उपयोग में आती हैं। इसके अलावा भोपाल में न्यू मार्केट स्थित जीटीबी कॉम्प्लेक्स में एक सूचना केन्द्र संचालित है। यह सूचना केन्द्र प्रतिदिन दोपहर 2.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक आमजन के लिये खुला रहता है। पाठकों के पढ़ने के लिये समाचार-पत्रों के अलावा विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती हैं। गत वर्ष लगभग 10 हजार पाठकों एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप संदर्भ प्रभाग की लायब्रेरी का कम्प्यूटरीकरण का कार्य इस वित्तीय वर्ष में शुरू किया गया है। इसी क्रम में लायब्रेरी की लगभग 06 हजार पुस्तकों की प्रविष्टियाँ अभी तक की जा चुकी हैं। शेष कार्य भी प्रगति पर है।

विज्ञापन प्रभाग

विज्ञापन प्रभाग द्वारा राज्य सरकार के सभी विभाग/कार्यालय की निर्माण/निविदा/भर्ती सूचनाओं का समाचार-पत्रों में विज्ञापन के रूप में प्रकाशन करवाने का कार्य किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार के विभिन्न विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों का प्रदर्शन विज्ञापन के माध्यम से प्रिंट मीडिया एवं न्यूज कैप्सूल/वीडियो स्पॉट के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार-प्रसार करवाने के उत्तरदायित्व का निर्वहन भी प्रभाग द्वारा किया जाता है।

आलोच्य अवधि में 'नमामि देवि नर्मदे' - सेवा यात्रा, आदि शंकराचार्य एकात्म यात्रा, म.प्र. विकास यात्रा, सुशासन दिवस, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, मुख्यमंत्री का रेडियो प्रोग्राम 'दिल से', सिंहस्थ-2016 वृत्तचित्र का नेशनल ज्यो ग्राफिक चैनल पर, स्वतंत्रता दिवस, भारत छोड़ो आन्दोलन की 75वीं वर्षगाँठ, सरदार सरोवर विस्थापितों के लिए म.प्र. सरकार की पहल, भावांतर भुगतान योजना, मेधावी विद्यार्थी योजना, फ्रेंड्स ऑफ एम.पी., महिला सुरक्षा, mp.gov app, मा. मुख्यमंत्री जी की अपील किसान भाइयों के लिए, म.प्र. पर्यटन को नेशनल अवॉर्ड, किसान एवं हितग्राही सम्मेलन का आयोजन, पत्रकार बीमा, लाइली लक्ष्मी योजना, दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष, समग्र स्वच्छता अभियान, प्रेरणा संवाद, मद्य निषेध, मतदाता परिचय-पत्रों जैसे कार्यक्रमों/अभियानों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया। प्रचार-प्रसार के लिए समाचार-पत्रों में प्रदर्शन विज्ञापन के साथ ही राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय टी.व्ही. न्यूज चैनल, दूरदर्शन, आकाशवाणी, विविध भारती,

निजी एफ.एम. रेडियो, सिनेमा और मल्टीप्लेक्स वेबसाइट्स आदि प्रचार माध्यम का उपयोग किया गया। इसी तरह किसानों को आपदा में राहत संबंधी जनहित सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। इसके लिए सूचनात्मक प्रभावी विज्ञापन आकल्पित करवा कर प्रकाशित एवं प्रसारित करवाये गये।

पारदर्शिता और सुगमता की दृष्टि से वर्गीकृत तथा प्रदर्शन विज्ञापन सामग्री और विज्ञापन आदेश ऑनलाइन जारी किये जा रहे हैं। इस अवधि में विज्ञापन देयकों का शत-प्रतिशत भुगतान ई-पेमेंट से किया गया है। प्रभाग द्वारा विज्ञापन देयकों का ऑनलाइन भुगतान करने के साथ ही विज्ञापन आदेश एवं विज्ञापन सामग्री भी ऑनलाइन दी जा रही है। इसको और अधिक उन्नत करते हुए विभिन्न विभागों से विज्ञापन सामग्री ऑनलाइन बुलाने एवं प्रचार-प्रसार विज्ञापनों के देयक ऑनलाइन बुलाने के लिये कम्प्यूटर प्रणाली को और अधिक विकसित किया जा रहा है।

कैलेंडर वर्ष 2017 में कुल 15 हजार 31 विज्ञापन जारी किये गये। इनमें 12 हजार 784 वर्गीकृत और 2247 प्रदर्शन विज्ञापन शामिल हैं।

प्रकाशन प्रभाग

जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित विभिन्न प्रकाशन राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी, नीतियों और कार्यक्रमों का आईना होते हैं। प्रदेश की लोकहितकारी नीतियों, योजनाओं और प्रदेश के जीवन तथा समाज के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाशनों का कार्य संचालनालय की इस प्रभाग द्वारा किया जाता है। इन प्रकाशनों में किताबें, लघु पुस्तिकाएँ, फोल्डर, पेम्फलेट्स, पोस्टर और मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' शामिल हैं।

मध्यप्रदेश संदेश

प्रदेश सरकार की आमुख पत्रिका 'मध्यप्रदेश संदेश' हर माह प्रकाशित होने वाली नियमित पत्रिका है। संदेश का प्रत्येक अंक एक समयानुकूल आवरण कथा पर केन्द्रित किया जा रहा है। पत्रिका में मुख्यतः प्रदेश की जन-कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और उनके परिणामों पर केन्द्रित सामग्री प्रकाशित की जाती है। संदेश को नये कलेवर के साथ प्रकाशित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों पर विशेष लेखों का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके अलावा इस पत्रिका में प्रदेश की विशिष्टताओं, विभिन्नताओं और विलक्षणताओं, प्रदेश के जीवन और समाज, कला, साहित्य, संस्कृति, पर्व, तीज-त्यौहार, परम्पराओं, लोक जीवन, वन और वन्य जीवन, पर्यटन, खेल, सिनेमा तथा साहित्यिक गतिविधियों और प्रदेश से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं विकास की विभिन्न अवधारणाओं पर वरिष्ठ और युवा लेखकों के लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

नवम्बर 2017 में माननीय मुख्यमंत्री जी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर '12 वर्ष विकास के विश्वास के' शीर्षक से 136 पृष्ठ का विशेषांक प्रकाशित किया गया।

लोकहित कार्यों पर प्रकाशन

प्रदेश सरकार के जन-कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दूर-सदूर गाँवों में रहने वाले लोगों तक पहुँचाने के लिए विभिन्न प्रकाशन किए गए। इन प्रकाशन को जिला मुख्यालयों पर स्थित जनसंपर्क कार्यालयों के माध्यम

से जन-सामान्य तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा ऐसे विशिष्ट आयोजनों में इन प्रकाशनों का वितरण किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित था।

प्रदेश सरकार ने जिन गरीबों, शोषितों, पिछड़ों तथा वंचितों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, उन्हें ऐसी योजनाओं की जानकारी देने और लाभ लेने के सुलभ तरीकों की महत्वपूर्ण जानकारीयों उपलब्ध करवाने वाली पुस्तिका- 'आगे आये लाभ उठाये' का नया संस्करण प्रकाशित किया गया है। इसके अलावा 'किसानों को मिलेगा फसल का पूरा मूल्य' शीर्षक पेम्पलेट, 'आदि शंकराचार्य' पुस्तक, 'मार्गदर्शिका', 'संकल्प पत्र' एवं 'माननीय मुख्यमंत्री जी की अपील' आदि का प्रकाशन किया गया।

पत्र परिनिरीक्षण प्रभाग

जनवरी 2017 से दिसम्बर 2017 तक की अवधि में 73 लाख 53 हजार 358 समाचार-पत्र कतरनें शासन के विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवधि में अधीनस्थ जिला जनसंपर्क कार्यालयों द्वारा 7 लाख 40 हजार समाचार-पत्र कतरनें भेजी गईं। नमामि देवि नर्मदे-सेवा यात्रा मुख्यमंत्री जी अमेरिका यात्रा तथा एकात्म यात्रा से संबंधित समाचार-पत्रों में प्रकाशित समाचार कतरनों के रंगीन फोटोकॉपी संकलन तैयार करवाकर उपलब्ध कराये गये हैं।

पंजीयन प्रभाग

इस प्रभाग में प्रदेश के सभी जिलों से प्रकाशित हो रहे दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक समाचार-पत्रों के साथ ही मासिक, त्रैमासिक तथा अन्य नियतकालिक पत्र-पत्रिकाओं को एक वर्ष तक जिलेवार संधारित किया जाता है।

कालखण्ड माह जनवरी 2017 से दिसम्बर 2017 तक दैनिक समाचार-पत्र 140, साप्ताहिक समाचार-पत्र 295, पाक्षिक पत्र/ पत्रिका 60, मासिक पत्र/पत्रिका 191 एवं त्रैमासिक पत्र/ पत्रिका 40 संख्या में प्राप्त हुए हैं।

क्षेत्र प्रचार प्रभाग

इस प्रभाग द्वारा मध्यप्रदेश शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं के साथ विकासात्मक उपलब्धियों एवं कार्यक्रम को आमजन तक पहुँचाने के लिए आउटडोर ब्रांडिंग एवं आधुनिक जनसंचार के माध्यमों से निम्नानुसार प्रचार-प्रसार किया गया :

'नमामि देवि नर्मदे' सेवा यात्रा : नर्मदा यात्रा अभियान के नर्मदा तटीय 16 जिलों में 162 जनसंवाद कार्यक्रमों एवं अमरकंटक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में नर्मदा सेवा यात्रा पूर्णता कार्यक्रम आउटडोर पब्लिसिटी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

एकात्म यात्रा : आदि शंकराचार्य 'एकात्म यात्रा' की आउटडोर पब्लिसिटी, आयरन फ्रेम बोर्ड, होर्डिंग्स, विनाईल पोस्टर द्वारा प्रदेश स्तर की गयी। इसके अलावा मुम्बई, दिल्ली एवं अन्य महानगरों में डिस्प्ले एवं बस शेल्टर्स पर ब्रांडिंग की गई। ओंकारेश्वर में एकात्म यात्रा पूर्णता आयोजन का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया।

दिल से कार्यक्रम : माननीय मुख्यमंत्री जी के रेडियो पर प्रसारित होने वाले 'दिल से' कार्यक्रम की थीम तैयार करने के साथ-साथ निर्धारित विषय पर संपूर्ण जिलों से जानकारी एकत्र करने का कार्य किया गया। प्रसारित होने वाले कार्यक्रम की सूचना विभिन्न प्रचार माध्यमों से आमजन तक पहुँचाई गई।

भावांतर भुगतान योजना : मुख्यमंत्री की प्रमुखता वाली भावांतर भुगतान योजना का ग्रामीण अंचल तक प्रचार-प्रसार किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा टीकमगढ़ जिले से भावांतर भुगतान योजना कार्यक्रम के शुभारंभ के समस्त जिलों में लाइव प्रसारण का व्यापक प्रचार-प्रसार आउटडोर पब्लिसिटी के माध्यम से किया गया।

राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं और जनहित कार्यक्रमों पर आधारित विशेष प्रचार अभियान चलाया गया जो निम्नानुसार है :- विकास यात्रा, अंत्योदय मेले, किसान सम्मेलन (फसल बीमा योजना राशि का वितरण), प्रधानमंत्री आवास ऋण वितरण योजना, गरीब कल्याण हितग्राही प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्थापना दिवस, ग्वालियर व्यापार मेला, खजुराहो डांस फेस्टिवल, तानसेन समारोह, दतिया महोत्सव, भोपाल उत्सव मेला, भोजपाल महोत्सव, लोकरंग, योग दिवस आदि कार्यक्रमों का आउटडोर पब्लिसिटी ब्रांडिंग द्वारा विशेष प्रचार अभियान संचालित किया गया। शासन के विभिन्न विभागों का सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

अधिमान्यता प्रभाग

अधिमान्यता नियम के अनुसार पत्रकारों को राज्य/जिला एवं तहसील-स्तरीय अधिमान्यता प्रदान की जाती है। इसके लिये राज्य तथा संभागीय अधिमान्यता समितियाँ गठित हैं। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार इन समितियों के सदस्य होते हैं। राज्य स्तरीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों के राज्य स्तरीय अधिमान्यता और संभागीय अधिमान्यता समिति पत्रकारों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिमान्यता संबंधी प्रकरणों में अनुशंसा करती है। वर्ष 2017 से अधिमान्यता कार्ड का नवीनीकरण/नवीन अधिमान्यता के लिये ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। इन कार्ड की अवधि अब दो वर्ष की होगी।

प्रदेश में दिसम्बर 2017 की स्थिति में कुल 1252 राज्य, 1787 जिला एवं 650 तहसील स्तरीय अधिमान्यता का नवीनीकरण किया गया। अधिमान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया निरन्तर जारी है।

पत्रकारों को आर्थिक सहायता

पत्रकारों को स्वयं एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए पात्रता और आवश्यकता के आधार पर आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए मध्यप्रदेश संचार प्रतिनिधि कल्याण समिति गठित है। प्राप्त सहायता आवेदनों पर इस समिति द्वारा की गई अनुशंसा के अनुसार सहायता देने की कार्यवाई की जाती है। दिसम्बर 2017 की स्थिति में कुल 331 पत्रकारों को रुपये 69 लाख 12 हजार 645 की राशि स्वीकृत की गई है।

अनुदान

वर्ष 2017-18 में माधवराव सप्रे समाचार-पत्र संग्रहालय, भोपाल को रुपये 10.00 लाख का अनुदान दिया गया। प्रेस क्लब उज्जैन को स्वीकृत अनुदान राशि रु. 25.00 लाख में से अभी तक रुपये 10.00 लाख का राशि दी जा चुकी है।

फैलोशिप

स्व. राजेन्द्र माथुर स्मृति पत्रकारिता फैलोशिप के अन्तर्गत प्रतिवर्ष एक पत्रकार को रुपये एक लाख की राशि देने का प्रावधान है।

पत्रकारिता सम्मान

प्रदेश में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये उत्साहजनक वातावरण बनाये जाने और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे अग्रणी पत्रकारों को सम्मानित करने के लिये मध्यप्रदेश शासन द्वारा पत्रकारिता सम्मान प्रारम्भ किये गये हैं। पत्रकारों को विशिष्ट योगदान के लिये सम्मान से सम्मानित करने के उद्देश्य से निम्न सम्मान स्थापित किये गये हैं :-

राष्ट्रीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 2.51 लाख)

1. माणिकचन्द्र बाजपेयी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)
2. गणेश शंकर विद्यार्थी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)
3. विद्यानिवास मिश्र राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

राज्य स्तरीय सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.51 लाख)

1. महेन्द्र चौधरी राज्य स्तरीय (फोटो) पत्रकारिता सम्मान (एक)
2. सत्यनारायण श्रीवास्तव, राज्य स्तरीय पत्रकारिता सम्मान (एक)

आंचलिक पत्रकारिता सम्मान (सम्मान राशि रुपये 1.01 लाख) (सात)

1. स्व. शरद जोशी सम्मान भोपाल अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
2. स्व. राहुल बारपुते सम्मान इंदौर अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
3. स्व. बनारसीदास चतुर्वेदी सम्मान रीवा अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
4. स्व. रतनलाल जोशी सम्मान ग्वालियर अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
5. स्व. जीवनलाल वर्मा विद्रोही सम्मान जबलपुर अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
6. स्व. कन्हैयालाल वैद्य सम्मान उज्जैन अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)
7. स्व. मास्टर बलदेव प्रसाद सम्मान सागर अंचल के पत्रकारों के लिये (एक)

श्रद्धा-निधि

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग 125 पत्रकारों को रुपये 6 हजार प्रतिमाह श्रद्धानिधि प्रदान की जा रही है।

लेपटॉप

शासन ने राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लेपटॉप देने की अभिन्नव योजना प्रारम्भ की है। इसके अन्तर्गत दिसम्बर 2017 की स्थिति में 831 राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लेपटॉप क्रय करने के लिये राशि का भुगतान किया गया।

मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय टेलीविजन पत्रकारिता सम्मान

राज्य शासन ने इलेक्ट्रॉनिक चैनल के पत्रकारों एवं कैमरामेन के सम्मान के लिये नई योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की है।

1. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान	राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
2. राष्ट्रीय न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान	राशि रुपये 1.01 लाख (एक)
3. राज्य-स्तर न्यूज चैनल (पत्रकार) सम्मान	राशि रुपये 1.51 लाख (एक)
4. राज्य-स्तर न्यूज चैनल (कैमरामेन) सम्मान	राशि रुपये 1.01 लाख (एक)

संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना

शासन द्वारा मध्यप्रदेश के संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना लागू की गई है। योजना में स्वास्थ्य बीमा रुपये 2 लाख और दुर्घटना बीमा रुपये 5 लाख का है। योजना में 31 दिसम्बर 2017 तक 1967 संचार प्रतिनिधि का बीमा करवाया जा चुका है।

पत्रकार प्रशिक्षण

प्रदेश के जिलों/तहसीलों में पत्रकारों के लिये 'मीडिया संवाद कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के जिलों में कार्यरत पत्रकारों को पत्रकारिता के कौशल बारीकियों पर चर्चाकर उन्हें नवीन तकनीक, प्रेस एक्ट और संविधान में उल्लेखित प्रेस से जुड़े कानूनों से परिचित करवाना है, जिससे अपना कार्य प्रभावी और सुचारु रूप से कर सकें।

—•—

विभाग के अंतर्गत कार्यरत उपक्रम/संस्थाएँ

मध्यप्रदेश माध्यम

मध्यप्रदेश माध्यम की स्थापना जन-संचार के क्षेत्र में तेजी से होते बदलावों और नये समय में संचार की चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग के सृजनात्मक उपक्रम के रूप में हुई है।

पिछले दो दशक से अधिक समय से यह उपक्रम राज्य सरकार और उसकी संस्थाओं के लिये संचार की सभी विधाओं में कार्य करते हुए आधुनिक समय के अनुरूप प्रचार कार्यों को नई शक्ल देने में कामयाब रहा है। यह संस्था युवाओं के लिये साप्ताहिक 'रोज़गार और निर्माण' के प्रकाशन के साथ शासकीय विभागों के लिये विभिन्न प्रकाशन और फिल्मों का निर्माण भी करती है।

'रोज़गार और निर्माण' मध्यप्रदेश माध्यम से प्रकाशित होने वाला नियमित साप्ताहिक समाचार-पत्र है। इसकी लगभग 70 हजार प्रतियाँ प्रति सप्ताह प्रकाशित होती हैं। मध्यप्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों तक यह पत्र पहुँचता है। इस पत्र के प्रकाशन की नियमितता और गुणवत्ता के कारण इसकी एक विशिष्ट पहचान बनी है।

'रोज़गार और निर्माण' मध्यप्रदेश शासन की गतिविधियों की जानकारी देने वाला एक प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है। यह पत्र प्रदेश में शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों को पंचायत स्तर तक आम नागरिकों को पहुँचाने का एक अच्छा माध्यम है। इस पत्र में प्रभावी प्रस्तुतिकरण के साथ काफी विस्तार से शासन के विभिन्न विभागों के कार्यक्रमों के सचित्र समाचार प्रकाशित किये जाते हैं। इसके अलावा शासन की योजनाओं के संबंध में उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और सम्पर्क किये जाने वाले अधिकारियों इत्यादि की जानकारीयें विस्तार से प्रकाशित की जाती हैं, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोग ले सकें। मध्यप्रदेश शासन के सभी विभाग आवश्यक सूचनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिये इस पत्र का नियमित रूप से लाभ लेते हैं।

बेहतर शिक्षा और रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के युवाओं का मार्गदर्शन करने वाली विषय सामग्री भी इस पत्र में विस्तार से प्रकाशित की जाती है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित अध्ययन एवं अभ्यास सामग्री भी परीक्षाओं के आयोजन से पूर्व प्रकाशित की जाती है। युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, प्रेरणादायी और सम-सामयिक विषयों पर भी विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखित उपयोगी लेख प्रकाशित किये जाते हैं। इस दृष्टि से पत्र में कई लोकप्रिय नियमित स्तम्भ भी प्रकाशित होते हैं। यह पत्र अपने बहुमुखी स्वरूप के कारण बहुत अधिक पढ़ा जाता है।

संचार के इस समय में ग्रामीण संचार की आवश्यकता की पूर्ति के लिये पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मासिक पत्रिका 'मध्यप्रदेश पंचायिका' का प्रकाशन भी पिछले दो दशक से मध्यप्रदेश माध्यम कर रहा है।

ग्राफिक्स शाखा : ग्राफिक्स शाखा द्वारा अपनी कलात्मक श्रेष्ठता और उत्कृष्टता का निर्वाह करते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों के उत्कृष्ट, कलात्मक आकल्पन तैयार किये गये हैं। जनसंपर्क विभाग के लिए मध्यप्रदेश शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार अभियान के लिए आकल्पन किये गये हैं। विशेष अभियान में नर्मदा सेवा यात्रा, भावांतर भुगतान योजना, गरीब कल्याण वर्ष, मध्यप्रदेश विकास यात्रा, दिल से, मुख्यमंत्री तीर्थ-

दर्शन योजना, एकात्म यात्रा (आदि शंकराचार्य), मेधावी विद्यार्थी योजना शामिल हैं। राज्य मतदाता दिवस, मध्यप्रदेश पुलिस, प्रेरणा संवाद, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग एवं नगरीय विकास एवं आवास कल्याण विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, आनंद, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण और मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास मिशन के लिए विज्ञापन, कॉफी टेबल पुस्तक, नियंत्रक शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री के लिए शासकीय कैलेण्डर, रोजगार और निर्माण, मध्यप्रदेश पंचायिका के लिए आकल्पन कार्य किये गये।

विज्ञापन शाखा : विगत 31 वर्षों से विभिन्न शासकीय विभागों, निगम, मण्डल, बोर्ड एवं विश्वविद्यालयों आदि के विज्ञापन का प्रकाशन समाचार पत्रों में कराये जाने का कार्य शाखा द्वारा किया जा रहा है। विगत वर्ष 2017-18 में नर्मदा सेवा यात्रा के प्रचार-प्रसार हेतु अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रादेशिक समाचार-पत्र/पत्रिकाओं में विज्ञापन का प्रकाशन के कार्य संपादित किये गये। विज्ञापन शाखा द्वारा विभिन्न विभागों के विशेष मीडिया कैम्पेन्स का सम्पादन भी सफलतापूर्वक किया गया है।

परियोजना शाखा : इस शाखा के उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार हैं- आनंद कार्यक्रम जनवरी 2017, नर्मदा सेवा यात्रा पूर्णता कार्यक्रम अमरकंटक 15 मई 2017, स्कूल चले हम अभियान मई 2017, नर्मदा वृक्षारोपण अभियान जून-जुलाई 2017, मुख्यमंत्री युवा संवाद-भोपाल अगस्त 2017, कृषि विभाग के लिये सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में प्रचार-प्रसार अभियान अगस्त-सितम्बर 2017, फसल बीमा योजना का प्रचार-प्रचार सितम्बर से नवम्बर 2017, भावांतर भुगतान योजना का प्रचार-प्रसार नवम्बर-दिसम्बर 2017, म.प्र. विकास यात्रा के इवेंट संबंधी कार्य नवम्बर 2017 और महिला स्व-सहायता समूहों का राज्य-स्तरीय सम्मेलन भोपाल दिसम्बर 2017।

मुद्रण शाखा : विगत वर्ष में विभिन्न विभागों के कई महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट कार्यों को किया गया है, जिसमें संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास के विभिन्न फोल्डर्स, भावान्तर भुगतान योजना के फोल्डर एवं पुस्तकें, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल की पुस्तकें, न्यूज लेटर, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की पुस्तकें, विज्ञान मंथन आदि, संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश की पुस्तकें, विकास योजना का प्रारूप, म.प्र. विद्युत वितरण कंपनी के कार्य, पुलिस मुख्यालय के विभिन्न प्रकार के न्यूज लेटर, महिला बाल विकास के माड्यूल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भोपाल के लिये कृषि मुक्ति कार्य के विभिन्न कार्य, पोलियो पोस्टर, विधान सभा सचिवालय की विधायिनी, नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी के कार्य, राज्य आनंद संस्थान के कार्य, भारतीय वन प्रबंध संस्थान का ई-ब्रोशर, राज्यपाल सचिवालय के विभिन्न कार्य, एम्बोज्ड लेटर हेड, एकात्म यात्रा आदि के महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

फिल्म शाखा : फिल्म शाखा द्वारा प्रमुख रूप से नर्मदा सेवा यात्रा 2017 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु लघु वृत्तचित्रों, टी.वी. स्पाट्स, रेडियो जिंगल्स का निर्माण कर राष्ट्रीय चैनल/प्रादेशिक चैनल, एफ.एम. रेडियो और सिनेमाघरों में प्रसारण करवाया गया। नर्मदा सेवा यात्रा पर प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित जसराज तथा प्रसिद्ध फिल्मकार श्री प्रकाश झा से म्यूजिक वीडियो तथा वृत्तचित्र का निर्माण करवाया गया। माध्यम द्वारा निर्मित टी.वी.स्पाट्स का प्रसारण अंतर्राष्ट्रीय चैनल्स, नेशनल ज्योग्राफिक तथा डिस्कवरी पर भी करवाया गया। ईको पर्यटन विकास के लिए बांधवगढ़ एवं पेंच टाईगर रिजर्व पर आधारित वृत्तचित्रों, मध्यप्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों पर आधारित वीडियो प्रजेन्टेशन, आई.टी.आई. चलें अभियान पर आधारित विभिन्न वृत्तचित्रों, तेजस्विनी कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए गए उल्लेखनीय

कार्यों पर आधारित वृत्तचित्रों, कौशल विकास पर आधारित वृत्तचित्रों का निर्माण, मिल-बाँचें कार्यक्रम पर आधारित रेडियो जिंगल्स, टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा विभिन्न प्रसारण केन्द्रों से प्रसारण कार्य, मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना पर आधारित रेडियो जिंगल्स, वृत्तचित्रों एवं टी.वी.स्पोर्ट्स का निर्माण तथा प्रसारण कार्य, स्वास्थ्य विभाग के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित वीडियो प्रजेन्टेशन्स का निर्माण, केन्द्र सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर प्रसिद्ध गायक श्री कैलाश खेर की सेवाएँ लेते हुए म्यूजिक वीडियो का निर्माण जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय से सराहना प्राप्त हुई, अद्वैत वेदांत के प्रखर प्रवक्ता आदि गुरु शंकराचार्य पर आधारित वृत्तचित्र का निर्माण, दिनांक 19 दिसम्बर, 2017 से 22 जनवरी, 2018 तक आयोजित एकात्म यात्रा का संपूर्ण फिल्मांकन करते हुए लघु वृत्तचित्रों का निर्माण, भावान्तर भुगतान योजना पर केन्द्रित रेडियो जिंगल्स एवं टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा विभिन्न चैनल्स पर प्रसारण, स्थापना दिवस पर आधारित रेडियो जिंगल्स एवं टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा विभिन्न चैनल्स पर प्रसारण, विकास यात्रा पर केन्द्रित रेडियो जिंगल्स एवं टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा विभिन्न चैनल्स पर प्रसारण, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, केन्द्र सरकार के लिए मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) पर केन्द्रित 3 लघु फिल्मों का निर्माण, भारत सरकार की वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करने की राष्ट्रीय वयोश्री योजना, दिव्यांगजन सामूहिक विवाह तथा ओ.डी.एफ. पर आधारित वृत्तचित्रों का निर्माण, स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं पर केन्द्रित रेडियो जिंगल्स, टी.वी. स्पोर्ट्स का निर्माण तथा प्रसारण, माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को प्रदेश की आम जनता से आत्मीय संवाद 'दिल से' कार्यक्रम का निर्माण तथा आकाशवाणी के सभी केन्द्रों, एफ.एम. रेडियोज, दूरदर्शन केन्द्र, भोपाल सहित सोशल मीडिया पर प्रसारण करवाया गया।

मध्यप्रदेश माध्यम की गतिविधियों एवं व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। विगत 5 वर्षों में माध्यम का व्यवसाय निरन्तर बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2016-2017 के लिए निर्धारित वित्तीय लक्ष्य रुपये 84 करोड़ के विरुद्ध रुपये 277.87 करोड़ एवं वित्तीय वर्ष 2017-2018 में दिसम्बर माह तक रुपये 103 करोड़ के विरुद्ध 132.86 करोड़ का लक्ष्य हासिल कर लिया गया।

वर्ष 2016-2017 तक के अंतिम लेखा तैयार कर चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट्स द्वारा अंकेक्षण किया जा चुका है। संस्था का वर्ष 2015-2016 तक के लेखों का अंकेक्षण महालेखाकार कार्यालय, ग्वालियर द्वारा किया जा चुका है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 27वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। निर्माण के ढाई दशकों से अधिक की यात्रा में विश्वविद्यालय से निकले हजारों विद्यार्थी मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों में सामाजिक उत्तरदायित्वों के साथ अपना व्यावसायिक योगदान दे रहे हैं। विगत शैक्षणिक सत्र में अकादमिक कार्यकलापों के साथ अनेक आयोजनों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अपने स्वर्णिम यात्रा को डिजिटल युग के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ाने का संकल्प जारी रखा है।

विश्वविद्यालय 26 वर्षों की यात्रा में हिन्दी पत्रकारिता पर विशेष फोकस के साथ पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षण-प्रशिक्षण, शोध और अनुसंधान के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में स्थापित हो चुका है। तेजी से विस्तृत हो रहे मीडिया के समग्र क्षेत्र में योग्य और प्रशिक्षित पत्रकार और मीडिया व्यवसाई उपलब्ध कराना, हिन्दी और अन्य भाषाई पत्रकारिता के बीच अंतर-संवाद, मीडिया के सामाजिक सरोकारों पर विमर्श एवं मीडिया एवं संचार के विविध आयाम पर उत्कृष्ट शोध गतिविधियों का संचालन विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है।

मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रतिष्ठित केंद्र

मुख्यालय भोपाल के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पाँच अन्य परिसर क्रमशः नोएडा, खण्डवा, ग्वालियर, रीवा, अमरकंटक में संचालित हैं। विश्वविद्यालय में मीडिया शिक्षा, मीडिया प्रबंधन, जनसंपर्क, नवीन मीडिया, प्रिंटिंग पैकेजिंग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से संबद्ध विभिन्न विषयों/संकायों में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पी.एचडी. जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए गए।

वर्तमान में संचार संबंधित पेशेवर पाठ्यक्रमों की मांग के अनुरूप वीडियो प्रोडक्शन, वेब संचार, फिल्म पत्रकारिता, डिजिटल फोटोग्राफी, भारतीय संचार परंपराएँ, पर्यावरण संचार, इवेंट मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल एवं यौगिक स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आध्यात्मिक संचार में अंशकालिक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी भोपाल परिसर में संचालित हैं।

विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक विभाग एवं पाँच अध्ययन परिसरों में शैक्षणिक सत्र (जुलाई 2016 से जून 2017) में कुल 994 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

देशभर में विश्वविद्यालय की 67 मीडिया और 1054 कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों की सहयोगी अध्ययन संस्थाएँ हैं। विश्वविद्यालय के सहयोगी संबद्ध अध्ययन संस्थाओं में शैक्षणिक सत्र (जुलाई 2016 से जून 2017) में कुल 1 लाख 51 हजार 550 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

सांख्यिकीय

इस शैक्षणिक सत्र (जुलाई 2016 से जून 2017) में कुल 1 लाख 52 हजार 544 विद्यार्थी पंजीकृत हुए। इस प्रकार विद्यार्थियों की संख्या में 10.94% वृद्धि हुई है।

चॉइस्ड बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) लागू

वर्ष 2017 में उच्च शिक्षा के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) एवं राष्ट्रीय आकलन एवं मान्यता परिषद (NAAC) की अनुशंसाओं के अनुसरण में रेग्यूलेशन 25 (धारा 51) का गठन करते हुए चॉइस्ड बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) प्रणाली सफलतापूर्वक लागू की गई।

मान्यता

इस शैक्षणिक सत्र में कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं मीडिया प्रबंधन विभाग के पाठ्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) से प्राप्त मान्यता का नवीनीकरण हुआ।

ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली प्रारंभ

ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली के पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत दिसम्बर 2017 में विश्वविद्यालय यू.टी.डी. सैद्धांतिक परीक्षाओं की उत्तर-पुस्तिकाओं के ऑनस्क्रीन मूल्यांकन का प्रायोगिक परीक्षण किया जा रहा है।

डिजिटल इंडिया

विश्वविद्यालय में संपूर्ण प्रवेश, नामांकन, परीक्षा फार्म प्रक्रिया एम.पी. ऑनलाइन के सहयोग से पूरी तरह ऑनलाइन की जा चुकी है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए भी ऑनलाइन प्रक्रिया अपनायी जाने लगी है।

कैशलेस एकानॉमी

विश्वविद्यालय द्वारा कैशलेस एकानॉमी की अवधारणा में अग्रिम पहल की जा चुकी है। विश्वविद्यालय विगत पाँच वर्षों से प्रवेश और परीक्षा शुल्क, माइग्रेशन, डिग्री-डिप्लोमा और डुप्लीकेट अंकसूची आदि समस्त शुल्क आनलाइन ही प्राप्त कर रहा है।

प्लेसमेंट

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सामाजिक सरोकारों से प्रतिबद्धता के साथ जन-संचार एवं मीडिया के क्षेत्र में अपना श्रेष्ठतम योगदान दे रहे हैं। विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी देश-विदेश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों, सामाजिक प्रतिष्ठानों, सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े महत्वपूर्ण संगठनों तथा अन्य शासकीय संगठनों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, जो अपने आप में विश्वविद्यालय की साख और गुणवत्ता का परिचायक है।

विश्वविद्यालय के प्रकाशन

(क) प्रकाशित पुस्तकें

- | | | |
|---|---|--------------------------|
| 1. ज्योतिर्विज्ञान में नये विचार और अनुप्रयोग | - | बृजेन्द्र शरण श्रीवास्तव |
| 2. श्रीरामचरित मानस में संचार की पद्धति एवं परम्परा | - | साकेत दुबे |
| 3. हिन्दी हम सबकी | - | प्रो. बृजकिशोर कुठियाला |
| 4. न भूलेंगे न बिसरेंगे | - | लाजपत आहूजा |

(ख) प्रकाशनाधीन पुस्तकें

- | | | |
|---|---|----------------|
| 1. कबीर वाणी में संचार पद्धति एवं परम्परा | - | साकेत दुबे |
| 2. विवेकानंद का संचार : विभिन्न दृष्टिकोण | - | गिरीश उपाध्याय |
| 3. ज्ञान संगम | - | उद्बोधन संकलन |
| 4. भारत बोध | - | आलेख संकलन |
| 5. रतौना आंदोलन: हिंदू-मुस्लिम एकता का सेतु बंध | - | लाजपत आहूजा |

- | | | | |
|----|--|---|--------------------------|
| 6. | My Experiment to Teach News Reporting | - | Prof. (Dr.) Kiran Thakur |
| 7. | Untold Story of Maharaja Hari Singh:
Jammu Kashmir (Part- 1: 1915-40) | - | Devesh Khandelwal |
| 8. | Communication Concept and process:
Swami Vivekananda | - | Girish Upadhyay |

(ग) पत्र-पत्रिकाएँ (नियमित प्रकाशन)

1. मीडिया मीमांसा – त्रैमासिक शोध पत्रिका (जर्नल)
2. मीडिया नवचिंतन – जनसंचार एवं मीडिया सरोकारों की वैचारिक त्रैमासिक पत्रिका
3. अतुल्य भारतम् – विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित होने वाली मासिक संस्कृत पत्रिका।
4. पाकिस्तान मीडिया स्कैन – ‘सार्क देशों का मीडिया और भारत’ परियोजना के अंतर्गत मासिक प्रकाशन। पाकिस्तान मीडिया में भारत की छवि एवं समाचारों को अवगत कराने वाला यह शोध प्रकाशन अध्येताओं के साथ जनसंचार और सुजी नागरिकों के लिए रुचिकर है।

विश्वविद्यालय का नवीन परिसर निर्माण

विश्वविद्यालय का अपना नवीन परिसर भोपाल के पास बिसनखेड़ी ग्राम में 50 एकड़ भूमि में निर्माणाधीन है। नवीन परिसर परियोजना की कुल लागत रुपये 148 करोड़ 86 लाख है। परियोजना के प्रथम चरण में भवन निर्माण की लागत रुपये 116 करोड़ 70 लाख है, जिसमें कुल 57 हजार 458 वर्ग मीटर फ्लोर एरिया का निर्माण प्रस्तावित है।

परियोजना निर्माण की कुल अवधि 24 माह (वर्षा माह सहित) है। निर्माण और भूमि विकास का कार्य जून 2018 तक पूर्ण किया जाना है।

विविध

विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह शृंखला के अन्तर्गत देश के कई स्थानों पर कार्यक्रम किए गए। इसके अंतर्गत मुम्बई, बेंगलूरु, पटना एवं इंदौर में सेमीनार/संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं।

बेंगलूरु (कर्नाटक) में दिनांक 06 से 07 जनवरी 2017 तक आचार्य अभिनव गुप्त सहस्राब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय विद्वत् संगम में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि दल ने सहभागिता की।

दिनांक 27 फरवरी 2016 को मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग द्वारा किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की छात्रा शर्मिला भदौरिया ने नई दिल्ली में 26 जनवरी 2017 की गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया।

काठमाण्डू (नेपाल) में भारत-नेपाल संबंधों में मीडिया की भूमिका विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय ने सहभागिता की।

भाग-2

बजट (एक दृष्टि में)

बजट प्रावधान एवं व्यय योजनावार
मांग संख्या - 32 सूचना और प्रचार (आयोजनेत्तर)
(31.01.2018 की स्थिति में)

(राशि लाख रुपये में)

क्र. शीर्ष	वर्ष 2016-2017		वर्ष 2017-2018	
	आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
1. 2304- निर्देशन और प्रशासन	16353.42	15787.43	18542.85	12766.58
2. 7248- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रचार	6150.00	6149.88	5500.00	4450.02
3. 5489- पत्रकारिता पुरस्कार एवं प्रशिक्षण	98.00	89.45	98.00	2.40
4. 8688- सूचना केन्द्र दिल्ली	144.68	97.37	179.73	87.75
5. 2822- चलचित्र इकाई की स्थापना	685.00	433.29	725.00	239.76
6. 0994- क्षेत्र प्रचार	1887.00	1886.87	600.00	324.67
7. 4065- विशेष अवसरों पर प्रचार	8158.00	8107.62	5602.04	3562.79
8. 0223- प्रकाशन	716.80	713.79	421.60	397.08
9. 1294- वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को श्रद्धानिधि	120.00	77.45	120.00	75.24
10. 7300- स्व. श्री सुशीलचन्द वर्मा पुरस्कार योजना	0.01	-	-	-
11. 7437- पत्रकारों को लैपटॉप प्रदाय	90.00	22.40	45.00	7.20
12. 0684- कार्यालय भवन निर्माण	-	-	100.00	-
योग (आयोजनेत्तर)	34402.91	33365.55	31934.22	21913.49

आयोजना

(राशि लाख रुपये में)

क्र. शीर्ष	वर्ष 2016-2017		वर्ष 2017-2018	
	आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय
1. 2304- निर्देशन और प्रशासन मांग संख्या 32	16353.42	15787.43	18542.85	12766.58
01 5620 - जन-कल्याणकारी योजनाओं का समन्वित प्रचार-प्रसार	745.38	561.59	540.00	229.20
02 8808 - सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य	0.01	-	-	-
03 मांग संख्या 41 आदिवासी उपयोजना	133.89	78.82	239.60	84.97
04 मांग संख्या 64 अनुसूचित जाति उपयोजना	163.11	147.63	264.27	31.78
योग (योजना)	1042.39	788.04	1043.87	345.95

भाग-3

राज्य और केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ

(अ) राज्य योजना

1. **फिल्मों का निर्माण :-** इस मद में जन-सामान्य को राज्य शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए टेलीविजन कव्हेरेज किये गये। साथ ही लघु फिल्मों/न्यूज कैप्सूल बनाये गये।
2. **क्षेत्र प्रचार :-** प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य प्रचार माध्यमों द्वारा शासन की उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

3. (ब) केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ

कोई नहीं।

(स) विश्व बैंक की सहायता से चलाई जाने वाली योजनाएँ

कोई नहीं।

(द) विदेशी सहायता प्राप्त योजनाएँ/परियोजनाएँ

कोई नहीं।

(ई) अन्य योजनाएँ

कोई नहीं।

जनहित में संचालित विभाग की योजनाएँ

जनसंपर्क विभाग निम्न योजनाओं का संचालन जनहित में करता है :-

1. पत्रकारों एवं उनके आश्रित सदस्यों को उपचार के लिए सहायता योजना।
2. वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों के लिए श्रद्धानिधि योजना।
3. पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना।
4. राज्य स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकारों को लैपटॉप वितरण योजना।

भाग - 4

सामान्य प्रशासनिक विषय

प्रतिवेदित अवधि में लोक सेवा आयोग के माध्यम से 13 सहायक संचालक की पदस्थापनाएँ की गईं। इस अनुक्रम में पी.ई.बी. से चयनित 17 तृतीय एवं 04 चतुर्थ वर्ग के विभिन्न पद पर नियुक्तियाँ भी की गईं। विभाग के 02 दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रितों को पात्रतानुसार अनुकंपा नियुक्तियाँ दी गईं। दिवंगत शासकीय सेवकों के 02 अन्य प्रकरणों में उनके आश्रितों को रुपये दो-दो लाख का अनुकंपा अनुदान स्वीकृत किया गया।

आलोच्य अवधि में 04 राजपत्रित एवं 106 अराजपत्रित अधिकारियों/कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ भी दिया गया।

विभाग में प्रथम, तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी के 32 अधिकारी/कर्मचारियों के स्थानांतरण प्रशासकीय/निजी व्यय एवं रिक्त पदों की पूर्ति के तहत किये गये। जनसंपर्क विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के अचल सम्पत्ति विवरण वेबसाइट पर प्रदर्शित है।

कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले 06 वाहन चालक को वरिष्ठताक्रमानुसार नियमित वाहन चालक के रिक्त पदों पर समायोजित किया गया। राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारियों/कर्मचारियों की पदक्रम सूची- 2017 भी प्रकाशित की गई।

नर्मदा संरक्षण अभियान 'नमामि देवि नर्मदे' के प्रचार-प्रसार और अन्य व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिये अधिकारी/कर्मचारियों को माँ नर्मदा के दोनों तटों पर तैनात किया गया। भिण्ड (अटेर) एवं अनूपपुर (बांधवगढ़) तथा (चित्रकूट) विधान सभा उप चुनाव 2017 के दौरान पेड़- न्यूज संबंधी मामले, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सभी समाचार पत्र-पत्रिकाओं का परिनिरीक्षण और इलेक्ट्रॉनिक न्यूज चैनलों की मॉनीटरिंग के लिये विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों को 24 घंटे सतत् तैनात किया गया।

आयुक्त, जनसंपर्क की अध्यक्षता में दिनांक 13 दिसम्बर, 2017 को जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों की प्रथम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित हुई। अधिकारियों/कर्मचारियों के सेवा अभिलेखों और गोपनीय प्रतिवेदनों का डिजिटাইजेशन कार्य प्रारंभ किया गया। विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को 7वाँ वेतनमान दिया गया है। इस वेतनमान में सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों की पेंशन भी पुनर्निर्धारित की गई।

कर्मचारी-कल्याण

कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति एवं समयमान दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सभी पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति/उच्चतर वेतनमान का लाभ दिया गया। कर्मचारी संघ की समस्याओं/कठिनाइयों का यथोचित निराकरण किया गया।

प्रशिक्षण

विभागीय कार्यों एवं दायित्वों का कुशलता एवं दक्षता पूर्वक निर्वहन करने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को समय-समय पर विभागीय ऑनलाइन एकाउन्ट साफ्टवेयर, 31वाँ अखिल भारतीय राजभाषा प्रशिक्षण

शिविर एवं सम्मेलन, 96वाँ संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण, 99वाँ संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण, 100वाँ संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण, आईएफएमआईएस अंतर्गत प्रशिक्षण, वित्तीय प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण विभिन्न संस्थानों द्वारा दिलाया गया।

महिलाकर्मियों की समस्याओं का निराकरण

महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने के संबंध में मुख्यालय पर राजपत्रित महिला अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई। समिति की अनुशंसाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। राज्य महिला आयोग के प्रचार-प्रसार कार्यों को संपादित करने के लिए एक राजपत्रित अधिकारी को नामांकित किया गया है।

महिलाओं के चित्रण के बारे में मीडिया की आचरण संहिता

विभाग द्वारा इस संबंध में भारतीय प्रेस परिषद् को पत्र लिखा गया। परिषद् ने सूचित किया है कि परिषद् मीडिया में महिलाओं के नकारात्मक चित्रण पर चिंतित है और इसे रोकने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है।

भाग-5

विभागीय प्रकाशन

जनसंपर्क विभाग द्वारा मध्यप्रदेश संदेश नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है। इसके अलावा विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश माध्यम द्वारा साप्ताहिक रोजगार और निर्माण का नियमित प्रकाशन भी हो रहा है।

भाग-6

उपसंहार

जनसंपर्क विभाग का प्रमुख कार्य शासन की जन कल्याणकारी नीतियों, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनता के हित में सरकार द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दूरदर्शन, इलेक्ट्रॉनिक चैनलों, आकाशवाणी, समाचार पत्र-पत्रिकाओं, प्रकाशनों, क्षेत्र प्रचार के पारम्परिक और आधुनिक माध्यमों के जरिये जन-सामान्य तक पहुँचाना है। प्रचार-प्रसार के कार्यों में सोशल/डिजिटल मीडिया का भी उपयोग किया गया।

इंदौर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 एवं विधान सभा परिसर में आयोजित 'राष्ट्र सर्वोपरि विचारकों और कर्मशीलों' के तीन दिवसीय 'लोक मंथन' के विभिन्न सत्र के कव्हेरेज एवं समाचार के लिये अधिकारी/कर्मचारियों को तैनात किया गया। 'नमामि देवि नर्मदे' सेवा यात्रा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए नर्मदा तटीय क्षेत्र में अधिकारी/कर्मचारियों को तैनात किया गया। यात्रा मार्ग के 16 जिलों के कार्यालय प्रमुखों को नोडल अधिकारी भी नामांकित किया गया।

सूचनाओं के विस्तार के लिए प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को जिला स्तर के समाचारों की उपलब्धता की दृष्टि से विभागीय वेबसाइट www.mpinfo.org, समाचार-पत्र-पत्रिकाओं की क्लिपिंग के लिये www.mpnewsarch.org, जिलों की खबरों के लिये डिस्ट्रिक्ट न्यूज पोर्टल www.dprmpinfo.org सतत कार्यशील है। इन साइटों को मौजूदा परिवेश में नवीनतम स्वरूप देकर मोबाइल उपयोगी के साथ यूजर्स फ्रेंडली बनाया गया।

[illegible]



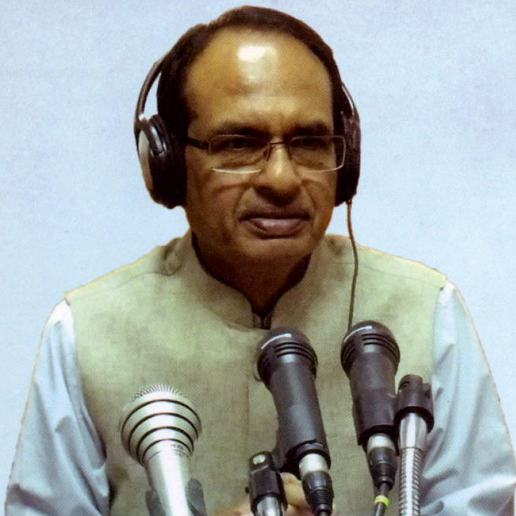
आयुक्त जनसम्पर्क श्री पी.नरहरि संभागीय एवं जिला अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय समीक्षा करते हुए।

सफलता की दारुतां हो या हो
सामाजिक सरोकार
सरकारी योजना हो या हों
नये मध्यप्रदेश पर आपके विचार...



मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे
अपनों से अपनी बात

दिल से 



कार्यक्रम के लिये

अपने सुझाव mp.gov.in
और Shivraj Singh Chouhan App पर साझा करें।



मेरा प्रदेश
मध्यप्रदेश

myGov
मेरी सरकार

Register Now
www.mp.mygov.in

सुनिये प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को शाम 6 बजे से

आकाशवाणी के सभी केन्द्रों, एफ एम चैनल्स, दूरदर्शन मध्यप्रदेश एवं सोशल मीडिया पर प्रसारण

 /CMMadhyaPradesh  /CMMadhyaPradesh  /ChouhanShivrajSingh Download App - Shivraj Singh Chouhan